

प्रेषक,

एस. राजू,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी-नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-04

देहरादून दिनांक 20 जून, 2014

विषय-विकलांगों के लिए छात्रवृत्ति एवं छात्रवेतन योजनान्तर्गत प्राविधानित धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या:-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18.03.2014 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विकलांगों के लिए छात्रवृत्ति एवं छात्रवेतन योजनान्तर्गत प्राविधानित धनराशि वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-15 में आयोजनागत तथा आयोजनेत्तर पक्ष के लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण, 02-समाज कल्याण, 101- विकलांग व्यक्तियों का कल्याण, 09-विकलांगों के लिए छात्रवृत्ति तथा छात्रवेतन योजना में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष संलग्न एलोटमेंट आई0डी संख्या-S1406150112 दिनांक 18-06-2014 के अनुसार ₹ 20.00 लाख (रुपये बीस लाख मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर आवंटित करते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या:-318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18 मार्च, 2014 तथा शासनादेश संख्या-80/अ.मु.स./पी.ए./2014-15 दिनांक 23.04.2014 में उल्लिखित समस्त शर्तों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
2. छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत स्वीकृत धनराशि छात्रों के बैंक खातों में ही जमा की जानी आवश्यक होगी।
3. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो। धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किया जायेगा तथा धनराशि किसी भी दशा में बैंक में पार्किंग हेतु निर्गत नहीं की जायेगी।
4. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यान्वयन के लिए न किया जाय।
5. उल्लेखनीय है कि बजट प्राविधान किसी भी लेखाशीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जाय।

6. विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जायेगी एवं कोई भी भुगतान अनिवार्यक लम्बित नहीं रखा जायेगा, क्योंकि उससे मासिक आधार पर व्यय की भ्रामक सूचना परिलक्षित होने से अनुपूरक मांग के समय सही निर्णय लेने में कठिनाई होती है।
7. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी ओर लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनेत्तर शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
8. शासन के व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इस सम्बन्ध में वेतनादि मदों के अतिरिक्त शेष मदों में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाय तथा तदनुसार विशेषकर आयोजनेत्तर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
9. संलग्न में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आवंटन एवं व्यय की स्थिति के साथ-साथ लाभान्वित हुये लाभार्थियों की संख्या से प्रत्येक माह शासन को अवगत कराया जाए।
10. मितव्ययिता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए उपर्युक्त निर्देशों का भी कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
11. अवमुक्त धनराशि आहरण-वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय और फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो प्रत्येक माह आहरण-वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी0एम0-14 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
12. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
13. व्यय करने के पूर्व जिस मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
14. वित्तीय स्वीकृतियों के समय व्यय के अनुश्रवण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय और यदि किसी मामले में बजट प्राविधान से अधिक व्यय दृष्टिगोचर हो तो उसे तत्काल शासन के संज्ञान में लाया जाय। बी.एम.-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को प्रतिमाह विलम्बतम 20 तारीख तक पूर्व तक व्यय बचत सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
15. नियंत्रणाधीन विभिन्न शीर्षकों के अन्तर्गत आय तथा व्यय के आंकड़ों का मिलान प्रत्येक त्रैमास में महालेखाकार से कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।
16. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियमवाली), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
17. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
18. उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

19. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत तथा आयोजनेत्तर पक्ष के अंतर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित मुख्य लेखाशीर्षक 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण, 02-समाज कल्याण, 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण, 09-विकलांगों के लिए छात्रवृत्ति तथा छात्रवेतन की सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जाएगा।

20. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 533(P/NP)/XXVII(I)/2014-15 दिनांक 18.06.2014 में प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न- यथोक्त।

भवदीय,

(एस. राजू)
प्रमुख सचिव।

संख्या: 768 (1)/XVII-4/2014-10(82)/2014 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, सचिवालय उत्तराखण्ड देहरादून।
- ✓ 3. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (NIC), सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(एस. राजू)
प्रमुख सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20142015

Secretary, Social Welfare (S045)

768
आवंटन पत्र संख्या - /XVII-4/14-10(82)/2014

अनुदान संख्या - 015

अलोटमेंट आई डी - S1406150112

आवंटन पत्र दिनांक -18-Jun-2014

HOD Name - Director Social Welfare (4708)

- 1: लेखा शीर्षक 2235 - सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण 02 - समाज कल्याण
101 - विकलांग व्यक्तियों का कल्याण 09 - विकलांगों के लिए छात्रवृत्तियां /छात्र वेतन
00 - विकलांगों के लिए छात्रवृत्तियां /छात्र वेतन

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Non Plan Voted
			योग
21 - छात्रवृत्तियां और छात्रवेतन	0	1000000	1000000
	0	1000000	1000000

- 2: लेखा शीर्षक 2235 - सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण 02 - समाज कल्याण
101 - विकलांग व्यक्तियों का कल्याण 09 - विकलांगों के लिए छात्रवृत्तियां /छात्र वेतन
00 - विकलांगों के लिए छात्रवृत्तियां /छात्र वेतन

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
21 - छात्रवृत्तियां और छात्रवेतन	0	1000000	1000000
	0	1000000	1000000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 2000000